

ऐक यूटूबर ऐसा भी (हीरो से जीरो बनने की कहानी)

सोशल मीडिया भी बड़ी अजीब चीज है ,एक पल में आपको हीरो बना देती है और एक पल में जीरो

ऐसा ही कुछ हुआ हमारे प्यारे जेन -z फेमस youtuber beerbiceps (रनवीर अल्लहाबादिया) के साथ जहा उन्हें थोड़ी मस्ती भारी पड़ गयी ,दरअसल रनवीर समय रैना के कॉमेडी शो इंडिया गॉट लटेंट में ऐक गेस्ट बनके आये थे जहां उन्होंने ऐक कंटेस्टेंट से ऐक कन्ट्रोवर्सिअल अश्लील सवाल पूछ लिया ,सवाल कंटेस्टेंट के माता -पिता की प्राइवेट लाइफ पर था ,सवाल पूछते ही मौजूद जनता ने जोरदार ठहाके लगाए ,सहभागी पैनलिस्ट ने भी बड़े मजे लिए ,और इस पूरी घटना को कूल (cool)रूप में पेश किया गया

हीरो से जीरो

लेकिन जब ये वीडियो वायरल हुआ तो ,रनवीर के लेने के देने पड़ गए ,खबर आग की तरह फैल गयी ,और लाइट -कैमरा -एक्शन ड्रामा शुरू, उनके खिलाफ असम में FIR हो गयी ,सोशल मीडिया में उनकी थू -थू होने लगी, उन्हें नैतिकता के लम्बे -चौड़े पाठ पढाये गए ,और आग में घी डालने का काम किया महाराष्ट्र के cm देवेन्द्र फडणवीस ने ,उन्होंने घटना पर तंज कस्ते हुए कहा ,संविधान के द्वारा दी गयी बोलने की आज़ादी तभी तक है ,जब तक की आप दूसरे की आज़ादी का हनन नहीं करते ,और शो को बंद करने की बात भी कही

क्या है ये बोलने की आज़ादी ?क्रिएटिव (creative)काम पर इसका असर

दरअसल,भारत का संविधान हर नागरिक को अनुच्छेद (आर्टिकल)19 के तहत बोलने ,लिखने ,का

अधिकार देता है ,लेकिन अगर ये अधिकार किसी की भावनाओ जो संविधान में बतायी गयी है, जैसे धार्मिक ,लैंगिंग , अक्षीलता आदि भावनाओ को ठेस पहुँचती हैं ,तो कोर्ट का दरवाज़ा खटखटाया जा सकता है, यही आरोप है रनवीर पर की वो अक्षीलता को **youngster** में पॉपुलर कर रहे है कॉमेडी के नाम पर

बिना अक्षीलता के कॉमेडी (बिना गाली के ताली),

वर्ल्ड फेमस चैली चैपलिन जो कॉमेडी के किंग कहे जाते थे ,एक भी शब्द कहे बिना पूरी दुनिया का दिल जीत लिया ,ऐसे ही फेमस **mr bean** है ,जो आज तक हमारे दिलो में राज करते है ,या फेमस कपिल शर्मा ,सुनील ग्रोवर हो,या राजू श्रीवास्तव जो गाली के बिना ताली बटोरने के लिए फेमस है

जेन -2 कॉमेडियनों की नयी खेप और अक्षीलता का व्यापार

नये यूटूबर कॉमेडियन तो जैसे बिना गली के रह ही नहीं सकते ,गाली देना तो उनका धर्म ही हो गया हैं , और नया ट्रेंड प्रचलित हो गया है ,जितनी गन्दी गालिया उतनी ज़्यादा तालिया जो युथ को नयी असभ्य दिशा में लेकर जा रहा है ,अर्टिस्टिक फ्रीडम बहुत जरुरी है खास कर कला के क्षेत्र में ,लेकिन अक्षीलता और क्रिएटिविटी के बीच एक महीन लाइन होती है ,जो कभी लांगी नहीं जानी चाहिए ,आर्टिस्ट अपनी कला को और फनी बनाने के लिए कुछ खास शब्दो का इस्तेमाल करते हैं ,जिनकी इजाजत (नेटफ्लिक्स),होटस्टर ,आदि स्ट्रीमिंग प्लेटफार्म ने दे रखी है लेकिन अक्षीलता की छूट नहीं,वे लोग जो बड़े ऑडियंस को इन्फ्लुएंस करते है अपनी ये जिम्मेदारी समझे और उस ढंग से जनता का मनोरंजन करे ,वरना आजकल के सोशल मीडिया के दौर में हीरो से जीरो बनने में समय नहीं लगता। ..